महात्मा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरसिया,
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)
[Mahatma Gandhi Govt. P. G. College Kharsia, Dist.-Raigarh (C.G)]

वार्षिक प्रतिवेदन – हिन्दी विभाग

सत्र – 2019–20

– डॉ0 आर के टण्डन

दर्ज संख्या–

एम ए प्रथम सेमेस्टर हिन्दी में 40 छात्रों ने प्रवेश लिया। इसके लिए ऑनलाईन पंजीयन हुआ था। स्वीकृत सीट पूरे भर गए। तृतीय सेमेस्टर में 31 छात्रों ने प्रवेश लिया। यह ऑफलाईन था, द्वितीय सेमेस्टर के छात्र इस पाठ्यक्रम में पहुँचे। एम ए द्वितीय सेमेस्टर में 35 छात्र रह गए और चतुर्थ सेमेस्टर में 31 ही हैं। सभी छात्रों ने एक बार (वार्षिक) शिक्षण शुल्क ऑनलाईन एस बी कलेक्ट के माध्यम से पे कर प्रवेश लिया।

ओरिएण्टेशन प्रोग्राम–

एम ए हिन्दी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने के बाद छात्र छात्राओं को सेमेस्टर प्रद्धति, मूल्यांकन पद्धति व महाविद्यालय की जानकारी देने के लिए अन्य कक्षा के छात्रों के साथ समग्र रूप से कक्ष क्र 11 में ओरिएण्टेशन किया गया। पीपीटी के माध्यम से डॉ आर के टण्डन ने छात्रों को समग्र जानकारियों से अवगत कराया। इस इण्डक्शन कार्यक्रम में एम ए राजनीति, इतिहास, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, एम कॉम व एम एस सी रसायन प्रथम सेमेस्टर के सभी छात्र मौजूद थे।

शिक्षक दिवस–

दिनांक 05/9/2019 को विभागीय कक्ष में विभाग के समस्त छात्रों ने डॉ0 आर के टण्डन, प्रो0 जयराम कुर्रे, प्रो0 दिनेश संजय, प्रो0 विनोद जांगड़े सहित प्रो0 सरला जोगी, प्रो0 प्रमोद राठौर, प्रो0 मनोज बरेठा को फूल गंलदस्ता भेंटकर, तिलक लगाकर सम्मान किया। विभाग के चारों प्राध्यापक ने छात्रों को संबोधित किया।

हिन्दी दिवस–

14 सितम्बर 2019 को विभागीय कक्ष में हिन्दी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रो0 एम एल धीरही सहायक प्राध्यापक इतिहास, डॉ0 आर के टण्डन, प्रो0 जे आर कुर्रे, प्रो0 दिनेश संजय, प्रो0 विनोद जांगड़े ने छात्रों को संबोधित किया। छात्रों में रत्ना माहेश्वरी, माधुरी राठिया, जशवीर खड़िया, भास्कर राठौर ने अपने विचार व्यक्त किए। मंच संचालन प्रो0 जयराम कुर्रे ने किया।

स्नातकोत्तर हिन्दी परिषद का गठन

दिनांक 03 अक्टूबर 2019 को समस्त विभागीय छात्रों की उपस्थिति में निम्नानुसार स्नातकोत्तर हिन्दी परिषद का गठन किया गया–

अध्यक्ष – कमलेश धिरहे

उपाध्यक्ष – रत्ना माहेश्वरी

डॉ. आर. के. टण्डन

Principal
M.G. Govt. Arts. & Science College
Kharsia Dist. Raigarh (C.G.)

सचिव – शैलेन्द्र सिंह

सह सचिव – माधुरी चौहान

कार्यकारिणी सदस्य – माधुरी राठिया, निर्मला राठिया, रेणुका महंत, ईश्वर सिदार, जशवीर खड़िया, सुजाता महंत।

ओरिएण्टेशन / वेल्कम–

05 / 10 / 2019 को नव प्रवेशित छात्रों का पुनः ओरिएण्टेशन करते हुए विभागीय एक कार्यक्रम किया गया। इसमें महाविद्यालय के लगभग सभी प्राध्यापक सम्मिलित हुए। डॉ0 पी एल पटेल सहायक प्राध्यापक राजनीति तथा डॉ0 आर के टण्डन ने छात्रों को सम्बोधित किया। इसके अतिरिक्त तृतीय सेमेस्टर के छात्रों ने प्रथम सेमेस्टर के छात्रों का स्वागत भी किया। स्वागत की तैयारी मुख्य रूप से कमलेश धिरहे, शोभा राजपूत, रत्ना माहेश्वरी, रेणुका महंत, निर्मला राठिया, माधुरी राठिया व लिलेश्वरी सारथी ने की।

पीपीटी सेमिनार प्रस्तुतिकरण–

दिनांक 29 नवम्बर व 02 दिसम्बर 2019 को कक्ष क्र 11 में एम ए प्रथम व तृतीय सेमेस्टर हिन्दी के छात्रों ने आबंटित शीर्षक के अनुरूप स्लाइड तैयार कर प्रोजेक्टर से सेमिनार प्रस्तुत किया। इसके लिए छात्रों को अधिकतम 10 अंक प्रदान किए जाते हैं। रत्ना माहेश्वरी, कमलेश धिरहे, लता बंजारा व भुनेश्वरी सहित अनेक छात्रों ने इस पद्धति से अपना प्रस्तुतिकरण किया।

जन्मोत्सव–

दिनांक 11 जनवरी 2020 को विभागीय छात्रों की खुशी में शामिल होने के क्रम में माधुरी व धनेश्वरी का जन्मोत्सव मनाते हुए प्राध्यापकों ने उन्हें आशीर्वाद दिया। इसी तरह अन्य छात्रों के जन्म उत्सव पर उन्हें आशीर्वाद दिया जाता है।

रंगोली / पोस्टर

दिनांक 07 फरवरी 2020 को "नारी की वर्तमान दशा" पर समस्त महाविद्यालयीन छात्रों के लिए रंगोली तथा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन पोस्टर को महाविद्यालय के दीवाल पर चस्पा किया गया व रंगोली को सुरक्षित दूसरे दिवस के लिए रखा गया। संगोष्ठी दिवस 08 फरवरी 2020 को आए हुए मुख्य अतिथि प्रो0 जी डी शर्मा माननीय कुलपति अटल बिहारी बाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर व अन्य अतिथियों ने अवलोकन कर इसकी भूरि–भूरि प्रशंसा की।

राष्ट्रीय शोध–संगोष्ठी–

दिनांक 08 फरवरी 2020 को महाविद्यालय में "आधुनिक कालीन हिन्दी साहित्य में नारी–अस्मिता का धरातलीय सच" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के आयोजन के पीछे यही उद्देश्य था कि देश में वर्ममान में महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचार को जनता अथवा पाठक के समक्ष रखें और साहित्यिक ढंग से उसका चिंतन–मनन कर, अपराध पर अंकुश कैसे लगे, अपराधियों का दमन कैसे हो, नारियाँ कैसे सुरक्षित जीवन जी पाएँ, पर एक निष्कर्ष पर पहुँचे। 2012 में निर्भया के साथ अमानवीय व्यवहार हुआ एवं इसके बाद बहुत–सी ऐसी घटनाएँ घटी जैसे हैदराबाद में डॉ0 प्रियंका रेड्डी के साथ अमानवीय कृत्य एवं अन्य अनेक लेखक / कवि भी समाज का एक हिस्सा है और प्रबुद्ध हिस्सा है जो इन सभी घटनाओं से प्रभावित हुए बिना कैसे रह सकता है। इन लेखकों ने भी अपने साहित्य में

डॉ. आर. के. टण्डन

Principal
M.G. Govt. Arts & Science College
Kharsia Dist. Raigarh (C.G.)

नारी के प्रति सहानुभूति रखते हुए बहुत कुछ लिखा। संगोष्ठी में नारियों के अधिकार के प्रति, सम्मान के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए बहुत सारे विचार आए, शोध–पत्र भी अनेक राज्यों से आए। सभी पर सारगर्भित चिंतन–मनन किए गए। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि की आसंदी पर विराजमान अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के माननीय कुलपति प्रो0 जी डी शर्मा जी ने नारी–अस्मिता के धरातलीय सच पर सारगर्भित प्रकाश डालते हुए नारियों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा किए। प्रसिद्ध लेखिका, रंगकर्मी प्रोफेसर डॉ0 उषा वैरागकर आठले ने विषय का प्रतिवादन करते हुए बीज वक्तव्य दिया। प्रसिद्ध लेखक श्री राजेन्द्र मौर्य ने नारी–अस्मिता पर अपना सर्वश्रेष्ठ वक्तव्य दर्शकों के समक्ष रख। इसके अतिरिक्त बस्तर विश्वविद्यालय जगदलपुर के पूर्व कुलपति माननीय डॉ0 एन डी आर चन्द्रा जी ने इस संबंध में अपने विचार रखे। इस संगोष्ठी के लिए प्राप्त 39 शोध–पत्रों को आई एस बी एन क्रमांक (ISBN-978-81-944420-2-3) में पुस्तक के रूप में प्रकाशित कर संगोष्ठी तिथि (08 फरवरी) को ही माननीय अतिथियों के कर कमलों से विमोचन भी किया गया। संगोष्ठी के दौरान वह क्षण अत्यंत रोमांचकारी हो गया जब एम ए तृतीय सेमेस्टर हिन्दी की परीक्षा दिसम्बर 2019 में अव्वल आए दो छात्राओं (नारियों) – कु0 रत्ना माहेश्वरी एवं कु0 शोभा राजपूत का माननीय कुलपति प्रो0 जी डी शर्मा ने बैच व वसन–पट्टिका से सम्मानित किया।

मुख्य रूप से निम्न विद्वानों से शोध–पत्र प्राप्त हुए। संत जॉन हाई स्कूल,नवाटांड, माण्डर, राँची, **(झारखण्ड)** से अविनाश बाड़ा ने नारी और समाज विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। डॉ0 राममनोहर लोहिया, अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद **(उ0प्र0)** से डॉ0 आकांक्षा मिश्रा ने मन्नू भण्डारी की कहानियों में बदलते परिवेश की स्त्री विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। महात्मा गांधी स्नातक महाविद्यालय भुकता, जिला– बरगढ़ **(ओड़िसा)** से डॉ0 दयानिधि सा ने नारी विमर्श के परिप्रेक्ष्य में 'छिन्नमस्ता' विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। स्त्री अध्ययन विभाग महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा **महाराष्ट्र** से अमित कुमार चौबे और मंजरी कुशवाहा ने हिन्दी साहित्य में नारी विमर्श विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। राजेन्द्र महाविद्यालय, छपरा, **बिहार** से डॉ. बेठियार सिंह साहू ने नारी–विमर्श विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया।

छत्तीसगढ़ के विद्वानों में भा. प्र. दे. शा. स्नातकोत्तर महावि. कांकेर (छ.ग.) से डॉ0 स्वामी राम बंजारे ने स्वातंत्र्योत्तर काल की हिंदी कविता में नारी विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। शास. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगाँव से डॉ. चन्द्र कुमार जैन ने हिन्दी उपन्यासों में नारी का धरातलीय सच विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। शास. दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगाँव से डॉ श्रीमती बी. नन्दा जागृत ने साहित्य में नारीः कल और आज विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। डॉ0 सी वी रमन विश्वविद्यालय करगी रोड कोटा, बिलासपुर से डॉ. रेखा दुबे ने प्रेमचंद जी के उपन्यासों में नारी चिंतन विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय करगी रोड़ (कोटा) से डॉ. आँचल श्रीवास्तव ने हिन्दी साहित्य में नारी – विमर्श विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। शा. एम. एम. आर. पीजी कॉलेज, चांपा से डॉ. सुनीता राठौर ने साहित्य में नारी के रूप विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय, कोरबा (छ.ग.) से डॉ. डेज़ी कुजूर ने मेहरून्निसा परवेज़ के कथा साहित्य में नारी की स्थिति विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। शास. महाविद्यालय धरमजयगढ़ जिला– रायगढ़ (छ.ग) से श्रीमती मार्ग्रेट कुजूर ने नारी और समाज विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। शा. विलासा गर्ल्स पीजी कॉलेज, बिलासपुर (छ.ग.) से डॉ. हरिणी रानी आगर ने अगनपाखी में नारी संघर्ष विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। शा. एम. एम. आर. पीजी कॉलेज, चांपा से डॉ.

डॉ. आर. के. टण्डन

Principal
M.G. Govt. Arts. & Science College
Kharsia Dist. Raigarh (C.G.)

सुनीता राठौर एवं डॉ. बी. आर. महिपाल ने हिन्दी साहित्य में नारी–विमर्श विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। शासकीय नवीन महाविद्यालय चन्द्रपुर जिला–जांजगीर चांपा (छ.ग.) से चरणदास बर्मन ने भारतीय ग्रामीण महिलाओं की अस्मिता विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। शा. जे. एम. पी. महा. तखतपुर जिला बिलासपुर छत्तीसगढ से डोमन प्रसाद चंद्रवंशी ने हिन्दी साहित्य में महिला लेखिकाएँ और नारी अस्मिता विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। आचार्य पंथ श्री गृन्ध मुनि नाम साहेब शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कवर्धा से श्रीमती मंजू देवी कोचे एवं श्री नरेन्द्र कुमार कुलमित्र ने समकालीन हिन्दी कविताओं में स्त्री–चरित्र विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। शास. पी. डी. वाणिज्य एवं कला महाविद्यालय रायगढ़ (छ.ग) से प्रो. राजकुमार लहरे ने भारतीय काव्य में नारी समाज का अनुशीलन विषय पर अपना शोध–प्रपत्र प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त अन्य शोध–छात्रों व शिक्षकों ने भी शोध–पत्र प्रस्तुत किए।

यह संगोष्ठी महाविद्यालय की स्ववित्तीय योजना के अन्तर्गत सम्पन्न हुई। इसके लिए राज्य शासन अथवा यू जी सी से किसी प्रकार का कोई भी अनुदान प्राप्त नहीं हुआ था। संगोष्ठी के संयोजक डॉ0 आर के टण्डन विभागाध्यक्ष–हिन्दी, महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया थे। सह–संयोजक का दायित्व प्रो0 दिनेशकुमार संजय एवं प्रो0 विनोद जाँगड़े ने निभाया। कोषाध्यक्ष प्रो0 जयराम कुर्रे थे। संयोजक, सह संयोजक अथवा कोषाध्यक्ष को प्रतिभागियों के पंजीयन से कुल 28450 रू0 प्राप्त हुए। कार्यालय से 29259 रू0 प्राप्त हुए। विभाग के द्वारा आयोजन में कुल 57709 रू0 व्यय हुए। कुछ राशि कार्यालय द्वारा सीधे भुगतान की गई।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 पी सी घृतलहरे की अध्यक्षता में आयोजित यह संगोष्ठी नारियों को समाज में सम्मानपूर्वक स्थान दिलाने के क्रम में साहित्यिक चिंतन–मनन करते हुए, पूरी तरह हर दृष्टि से सफल रही।

विदायी समारोह–

02 मार्च 2020 को परम्परा अनुसार, एम ए द्वितीय सेमेस्टर हिन्दी के छात्रों ने चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों को भावपूर्ण विदायी दी। विभाग के समस्त प्राध्यापकों ने चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों को आशीर्वाद देते हुए उनके भविष्य की रूपरेखा भी बनाई कि अगले सत्र में उन्हें क्या करना है। रोजगार व उच्च शिक्षा के क्षेत्र में क्या कैरियर हो सकते हैं, इस पर व्यापक से चर्चा की गई।

आनलाईन अध्यापन–

कोरोना संक्रमण काल व लॉक डाउन के कारण एम ए हिन्दी के अधूरे पाठ्यक्रम को विभाग के प्राध्यापकों ने ऑनलाईन माध्यम से पूर्ण किया। डॉ0 आर के टण्डन ने यू–ट्यूब में पाठ्य वस्तु का वीडियो तैयार करते हुए सीजी स्कूल डॉट इन में छ.ग. के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए यू–ट्यूब वीडियो व पी डी एफ अपलोड किया, जिसे उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा नियुक्त अधिकारियों ने अनुमोदन भी किया। सभी प्राध्यापकों ने विषय वस्तु की इमेज, पी डी एफ को व्हाट्सएप के माध्यम से छात्रों तक पहुँचाया। इसके अतिरिक्त डॉ0 आर के टण्डन, प्रो0 जयराम कुर्रे, प्रो0 दिनेश संजय व प्रो0 विनोद जांगड़े सभी ने सिस्को वेबेक्स के माध्यम से छात्रों को आनलाईन पढ़ाया।

डॉ. आर. के. टण्डन

Principal
M.G. Govt. Arts & Science College
Kharsia Dist. Raigarh (C.G.)

Prof. D K Sanjay, Dr. R K Tandan(HoD), Prof. J R Kurre, Prof. Vinod Jangade

हिन्दी साहित्य विभाग, 2019-20

एम जी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया

14 सितम्बर हिन्दी दिवस

हिन्दी साहित्य परिषद का गठन दिनांक 03/10/19

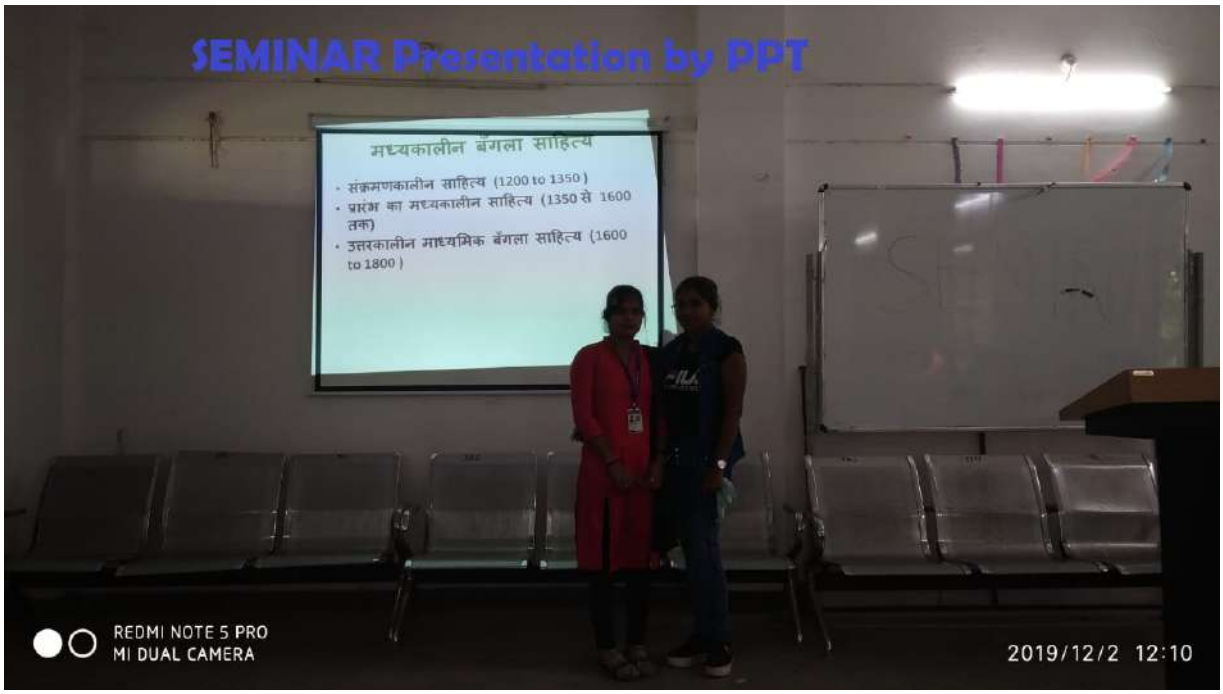
SEMINAR Presentation by PPT
मध्यकालीन बँगला साहित्य
• संक्रमणकालीन साहित्य (1200 to 1350)
• प्रारंभ का मध्यकालीन साहित्य (1350 से 1600 तक)
• उत्तरकालीन माध्यमिक बँगला साहित्य (1600 to 1800)
REDMI NOTE 5 PRO
MI DUAL CAMERA
2019/12/2 12:10

Rangoli on 07 Feb 2020
The Condition of Women in
SHOT ON REDMI Y3
AI DUAL CAMERA

Poster on 07 Feb 2020

हिन्दी सेमिनार, पुस्तक विमोचन
दिनांक:०८फरवरी २०२०, संपादक- डॉ रमेश टण्डन
2020.02.08 13:26

डॉ. रमेश टण्डन की संपादित किताब का विमोचन

रायगढ़। महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में 8 फरवरी को हिन्दी विभाग एवं वाणिज्य विभाग में राष्ट्रीय शोध-संगोष्ठी का आयोजन किया गया। पिछले दो वर्षों में महिलाओं पर बढ़ते अपराध, अनैतिकता, यौन शोषण व निर्भया को अभी तक पूर्ण न्याय नहीं मिल पाने, डॉ. प्रियंका रेड्डी रेप-मर्डर जैसे अनेक घटनाओं से द्रवित होकर, साहित्यिक रीति से शोध करने के उद्देश्य से हिन्दी के विभागाध्यक्ष डॉ. आरके टण्डन के संयोजन में 'आधुनिक कालीन हिन्दी साहित्य में नारी-अस्मिता का धरातलीय सच' विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। हिन्दी विभाग के द्वारा अकादमिक अतिथियों के स्वागत की नई परम्परा की शुरूआत करते हुए समस्त अतिथियों का 'हिन्दी विभाग, एमजी शा. महाविद्यालय खरसिया' मुद्रित श्वेत वसन (अल्पी) से स्वागत किया गया। द्वय विभाग के द्वारा विभागीय बैच से सम्मान किया गया। हिन्दी में टॉप किए रत्ना माहेश्वरी, शोभा राजपूत को कुलपति ने श्वेत वसन से सम्मान किया। डॉ. रमेश टण्डन के संपादकीय में विषय पर आधारित शोध-पत्रों से युक्त प्रकाशित आईएसबीएन पुस्तक व प्रो. एमके साहू संपादित वाणिज्य विभाग के सोवेनियर का विमोचन भी अतिथियों ने उक्त अवसर पर किया। ज्ञात को कि डॉ. रमेश टण्डन संपादित 'आधुनिक कालीन

हिन्दी साहित्य में नारी-अस्मिता का धरातलीय सच' नामक किताब को आईपीएस व्हीसी सज्जनार को समर्पित किया गया है जिन्होंने हैदराबाद की डॉ. प्रियंका को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस किताब में देश के छः राज्यों के लेखकों के शोध पत्र समाहित हैं। समस्त मंचासीन अतिथियों ने संगोष्ठी के विषय को प्रतिपादित करते हुए विषय की आवश्यकता, उसकी पूर्ण व्याख्या व निष्कर्ष तक अपने सारगर्भित दृष्टिकोण को प्रबुद्ध पाठकों, श्रोताओं, छात्रों तक पहुंचा पाने में सफलता पाई।